नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (मगही)

पार्ट-I, पत्र-I

(मगही साहित्य का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कउनो पाँच प्रश्न के उत्तर दऽ । सब प्रश्न के अंक समान हे ।

1. 'कउनो साहित्य के इतिहास के अर्थ आउ स्वरूप का अन्य साहित्य के इतिहास से अलग हे ?' तर्कपूर्ण उत्तर लिखऽ ।
2. मगही साहित्य के पृष्ठाधार पर एगो लेख लिखऽ ।
3. 'मगही साहित्य के आरम्भ : पुरनकी मगही' विषय पर तर्कपूर्ण विचार करऽ ।
4. 'सिद्धों के साधना–पद्धति बाद के निर्गुण सम्प्रदाय के प्रवेश द्वार हे ।' स्थापित काल के पृष्ठभूमि के आधार पर एकर सत्यता प्रमाणित करऽ ।
5. स्थापितकाल के प्रेरक परिस्थितियन पर एगो बड़हन लेख लिखऽ ।
6. स्थापित कालीन साहित्य के प्रमुख प्रवृत्ति के परिचय दऽ ।
7. भक्तिकाल के सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक परिस्थिति पर प्रकाश डालऽ ।
8. भक्तिकाल में निर्गुण भक्ति काव्य धारा के विशेषता के परिचय दऽ ।
9. परवर्ती काल में अंग्रेज विद्वान द्वारा कयल गेल अन्वेषण कार्य पर अप्पन विचार दऽ ।
10. संक्षिप्त परिचय दऽ :–
    (क) नाथ साहित्य (ख) संत धरमदास
    (ग) मोहल लाल महतो वियोगी (घ) मगही साहित्य के विभिन्न विधा के विकास

ꕥ ꕥ ꕥ

Examination Programme, 2015

M.A. Magahi, Part–I

Date	*Paper*	*Time*	*Examination Centre*
30.03.2015	Paper–I	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
01.04.2015	Paper–II	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
03.04.2015	Paper–III	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
06.04.2015	Paper–IV	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
07.04.2015	Paper–V	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
09.04.2015	Paper–VI	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
11.04.2015	Paper–VII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
13.04.2015	Paper–VIII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (मगही)

पार्ट-I, पत्र-II

(मगही प्रबन्ध काव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कउनो पाँच प्रश्न के उत्तर दऽ । सब प्रश्न के अंक समान हे ।

1. महाकाव्य से तूँ का समझऽ हेऽ । पाश्चात्य आउ भारतीय विचारक के एकरा विषय में जे मत कहल गेल हे, ओकरा विवेचन करऽ ।
2. 'एकलव्य' महाकाव्य के महाकाव्यत्व पर एगो सारगर्भित लेख लिखऽ ।
3. गीतिकार के रूप में कवि घमंडी राम के परिचय दऽ ।
4. 'सबासिन' मगही काव्य के एगो अन्यतम महाकाव्य हेऽ । सोदाहरण ई कथन के सत्य करऽ ।
5. 'मानिनी शकुंतला' के प्रबन्ध–कौशल पर एगो बड़हन लेख लिखऽ ।
6. मानिनी शकुंतला' के वियोग वर्णन पर प्रकाश डालऽ ।
7. 'तुलसीदास' के भक्ति भावना पर सोदाहरण बड़हन विचार व्यक्त करऽ ।
8. 'तुलसीदास' में कउन रस परधान हे, कउन दोहका ? समझा के लिखल जाय ।
9. 'लोहामरद' के विषयवस्तु पर एगो बड़हन लेख लिखऽ ।
10. महाभारत के कुन्ती में नया रंग कइसे भरल गेल हे । एकर विवेचना करऽ ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (मगही)

पार्ट-I, पत्र-III

(मगही साहित्य का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कउनो पाँच प्रश्न के उत्तर दऽ । सब प्रश्न के अंक समान हे ।

1. कृष्णदेव प्रसाद के व्यंग्य कविता मगही के अभिमान हे, एकरा सिद्ध करऽ ।
2. कविरामकृष्ण मगही के विद्रोहीकवि हथ । ई कथन के सार्थकता सिद्ध करऽ ।
3. 'गीत के जुड़छाँह' में प्रकृति अप्पन पूर्ण वैभव के साथ उतरल हे । सोदाहरण बताबऽ ।
4. 'अंगुरी के दाग' नामकरण के सार्थकता पर विचार करूँ ।
5. 'मोरहर के पार' के कविता के आधार पर कवि के प्रकृति सौन्दर्य के विश्लेषण प्रस्तुत करऽ ।
6. 'जगरना' गीतिकाव्य के श्रेष्ठ उदारहण हे, सिद्ध करऽ ।
7. कवि सतीश कुमार मिश्र के कविता में ओज, पौरूष, विद्रोह आदि के स्वर सुनाई देबऽ हे । ई कथन के सार्थकता सिद्ध करऽ ।
8. विद्रोही तेवर के काव्य–संकलन के रूप में 'दुभ्भी' के समीक्षा करऽ ।
9. 'मगह के फूल' में हास्य आउ व्यंग्य पर एगो सारगर्भित लेख लिखऽ ।
10. संदर्भ–सहित व्याख्या करऽ :–

    (क) सोना के देश हमर चाँदी के गाँव
    धरती के ममता पसरल ठामे ठाँव

    (ख) जल में उठ के छनभर में मिटजाहे हिलोर,
    हे जनम–मरन जिनगी– जउरी के ओर छोर ।

    (ग) जब से मुट्ठी तने लगल हे,
    ई भरोसा भी बढ़े लगल हे
    कि ई तूफान के बाद
    नया सूरज उगबे करत ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (मगही)

पार्ट-I, पत्र-IV

(नयकी मगही कविता)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कउनो पाँच प्रश्न के उत्तर दऽ । सब प्रश्न के अंक समान हे ।

1. केसरी कुमार के मगही कविता के संवेदना आउ शिल्प पर विचार करऽ ।
2. केसरी कुमार के कविता में आधुनिक बोध पर एगो बड़हन लेख लिखऽ ।
3. विरह वर्णन के भारतीय परम्परा के उल्लेख करऽ ।
4. 'अधरतिया के बॉसुरी' में रहस्यवाद के सुन्दर व्यंजना होल हे, सिद्ध करऽ ।
5. 'असगनी' के काव्य–सौष्ठव पर एगो बड़हन लेख लिखऽ ।
6. 'बिछलइ किरिनिया जाल' में उपलब्ध वियोग श्रृंगार वर्णन के सोदाहरण परिचय दऽ ।
7. गीतिकाव्य के रूप में 'जिनगी के गीत' कविता के विवेचन करऽ ।
8. 'गोरी तोर लाल ठोर' कविता के कवि के परिचय दऽ ।
9. नवगीत में–'नया इतिहास' गीत के स्थान निर्धारित करऽ ।
10. 'राहे–राहे अन्हेरिया कटतो' कविता के केन्द्रीय भाव पर बड़हन लेख लिखऽ ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (मगही)

पार्ट-I, पत्र-V

(मगही के उपन्यास साहित्य)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कउनो पाँच प्रश्न के उत्तर दऽ । सब प्रश्न के अंक समान हे ।

1. 'बिसेसरा' उपन्यास कला पर खरा उत्तरऽ हे । एकरा सिद्ध करऽ ।
2. 'बिसेसरा' उपन्यास दलित जीवन के त्रासदी पर एगो बड़हन लेख लिखऽ ।
3. 'बिसेसरा' उपन्यास के साथ साथ राजेन्द्र कुमार यौधेय के परिचय दऽ ।
4. 'रमरतिया' उपन्यास के नायकत्व पर विचार करऽ ।
5. उपन्यास कला के आधार पर 'रमरतिया' के मूल्यांकन करऽ ।
6. रमरतिया उपन्यास के नायिका काउॅन हे ? एकर शील–निरूपण करऽ ।
7. रमरतिया उपन्यास के लेखक बाबूलाल मधुकर के आलोचनात्मक परिचय दऽ ।
8. 'अदमी आ देओता' उपन्यास के समकालीन प्रासंगिकता पर प्रकाश डालऽ ।
9. 'अदमी आ देओता' के नायक राजा दिवोदास इयारिपुंजय के चरित्र–चित्रण करऽ ।
10. 'नरक सरक धरती' के प्रतीक विधान के सफलता पर विचार करऽ ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (मगही)

पार्ट-I, पत्र-VI

(मगही का नाट्य साहित्य)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कउनो पाँच प्रश्न के उत्तर दऽ । सब प्रश्न के अंक समान हे ।

1. 'अँचरवा के लाज' नाटक के उद्देश्य पर प्रकाश डाल ।
2. नाट्य कला के दृष्टि से 'अँचरवा के लाज' नाटक के समीक्षा करऽ ।
3. 'अँचरवा के लाज' नाटक के पात्र के संक्षिप्त परिचय दऽ।
4. 'गन्धारी के सराप' नाटक के कथावस्तु पर प्रकाश डालऽ ।
5. रंगमंच की दृष्टि से 'गन्धारी के सराप' के समीक्षा करऽ ।
6. नुक्कड़ नाटक के विषय वस्तु के परिचय दऽ ।
7. 'शकुन्तला' नाटक के विषयवस्तु के परिचय दऽ ।
8. 'सामाजिकता की दृष्टि से 'प्रेम अइसने होवऽ हे' नाटक के समीक्षा करऽ ।
9. 'प्रेम अइसने होव हे' नाटक के उद्देश्य पर प्रकश डाल ।
10. चरित्र–चित्रण करऽ :–
    (क) शकुन्तला
    (ख) महाराजा भीम सिंह

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (मगही)

पार्ट-I, पत्र-VII

(मगही कहानी साहित्य)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कउनो पाँच प्रश्न के उत्तर दऽ । सब प्रश्न के अंक समान हे ।

1. 'मोरचा' कहानी के सार लिखऽ ।
2. कहानी कला की दृष्टि से 'अभिनय' कहानी के समीक्षा लिखऽ ।
3. 'गंगाजल' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालऽ ।
4. कहानी के संरचना शिल्प पर विचार करीत 'फैसला' कहानी के समीक्षा करऽ ।
5. 'डुमरी हाल्ट वाली मैडम' कहानी के विशेषता लिखऽ ।
6. 'जोत' कहानी के कथा नायक मुरली बाबू के चरित्र–चित्रण करऽ ।
7. 'छेंकुनी के तीन दाग' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालऽ ।
8. 'रोसनी' कहानी की भाषा–शैली के समीक्षा करऽ ।
9. कहानीकार के परिचय दऽ :–
   (क) श्री कृष्ण मोहन प्यारे
   (ख) प्रो० राम बुझावन सिंह
10. संदर्भ सहित व्याख्या करऽ :–
    (क) कोनमा आम मर गेल !!! ..... हम्मर माय एक बार फिन मर गेल ।
    (ख) जब आदमी के जलमे न होल तब बचवे के सवाल कहाँ हे । ओहूँ से इ पगला के बकबकी गुजर जा हे ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (मगही)

पार्ट-I, पत्र-VIII

(प्राचीन एवं मध्यकालीन मगही काव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कउनो पाँच प्रश्न के उत्तर दऽ । सब प्रश्न के अंक समान हे ।

1. 'दोहा कोश' के साथ–साथ सरहपाद कवि के आलोचनात्मक परिचय दऽ ।
2. सरहपाद के जीवन–दर्शन बाद के कवियन के प्रभावित कयलक हे, कइसे ?
3. सरहपाद अप्पन बाल्यकाल से ही क्रांतिदर्शी विचारधारा अपनयले हलन जे अतं–अंत तक कायम रहल हे । इ कथन के समीक्षा करऽ ।
4. 'दोहाकोश' के काव्य–वैशिष्ट्य के वर्णन उदाहरण सहित करऽ ।
5. कण्हपा के काव्य–सौन्दर्य के रहस्य प्रतिपादित कैल जाय ।
6. पठित पद के आधार पर धरमदास के काव्य–सौन्दर्य के परिचय दऽ ।
7. रामसनेहीदास आउ बदरीदास के तुलनात्मक समीक्षा कैल जाय ।
8. भक्ति के उद्‌भव आउ विकास पर प्रकश डालऽ ।
9. गीतिकाव्य परम्परा में कमलेश जी के स्थान निर्धारित करऽ ।
10. 'रामचरितमानस' आउ 'ललितरामायण' में आयल केवट प्रसंग आउ धुनष यज्ञ (सीता स्वयंवर) के तुलनात्मक करऽ ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (मगही)

पार्ट-II, पत्र-IX

(मगही के निबंध साहित्य)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कउनो पाँच प्रश्न के उत्तर दऽ । सब प्रश्न के अंक समान हे ।

1. 'आदमी रोटी आउ जिनगी' निबन्ध में व्यक्त लेखक के विचार के समीक्षा करऽ।
2. 'मंजर' निबंध में व्यक्त लेखक के प्रकृति–प्रेम पर अपन विचार व्यक्त करऽ।
3. 'मगही लोकगीत में वात्सल्य भावना' निबन्ध के कथ्य अथवा प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालऽ।
4. 'मगही के मध्यकालीन स्वरूप' निबन्ध के समीक्षा करऽ।
5. काव्य के सामयिक प्रसंग के उल्लेख करइत देश में फैलल भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, कुशिक्षा, छुआछूत आउ आरक्षण के कविता में दर्शावल एक–एक उदाहरण दी।
6. मगही भासा के प्राचीन स्वरूप के उद्देश्य के विवेचना करऽ।
7. पढ़लक निबन्ध के आधार पर डॉ० रामप्रसाद सिंह के समीक्षा दृष्टि पर विचार करऽ।
8. शैली के परिभाषा दे के मगही एकांकी के शैलीगत विशेषता पर प्रकाश डालऽ।
9. 'क्षणिका' से तू का समझऽ ह? काव्य–विद्या के रूप में क्षणिका के परिचय दे के मगही में ओकर उदाहरण बतलावऽ।
10. पठित निबन्ध के आधार पर 'हाइकू' के परिचय देऊँ।

ꕥ ꕥ ꕥ

Examination Programme, 2015

M.A. Magahi, Part–II

Date	Papers	Time	Examination Centre
05.06.2015	Paper-IX	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
09.06.2015	Paper-X	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
11.06.2015	Paper-XI	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
13.06.2015	Paper-XII	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
15.06.2015	Paper-XIII	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
17.06.2015	Paper-XIV	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
19.06.2015	Paper-XV	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
23.06.2015	Paper-XVI	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (मगही)

पार्ट-II, पत्र-X

(मगही गद्य के अन्य विधा)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कउनो पाँच प्रश्न के उत्तर दऽ । सब प्रश्न के अंक समान हे ।

1. पंडितजी पाठ के सार लिखऽ आउ पाठ के उद्देश्य पर प्रकाश डालऽ ।
2. 'जीवक' रेखाचित्र के भाषा–शैली आउ शिल्प पर अपन विचार लिखऽ ।
3. भेंटवार्ता के तत्त्व पर प्रकाश डालऽ ।
4. रिपोर्ताज से का समझऽ हऽ ? रिपोर्ताज के विशेषता पर प्रकाश डालऽ ।
5. 'डायरी के उड़ियाल पन्ना' के भाषा आउ शिल्प पर विचार करऽ ।
6. 'उकटा–पुराण' नाटक के प्रतिपाद्य पर विचार करऽ ।
7. एकांकी कला के नजरिया से 'निषाद् कन्या' के समीक्षा करऽ ।
8. संस्मरण आऊ रेखाचित्र में समानता के बावजूद भिन्नता हे, कइसे ? स्पष्ट करऽ ।
9. रचना शिल्प के विचार से 'हैसियत' लघुकथा के समीक्षा करऽ ।
10. शब्द चित्रकार प्रो० अवधेश कुमार सिन्हा के परिचय अपन भाषा में दऽ ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (मगही)

पार्ट-II, पत्र-XI

(मगही भाषा के उद्‌भव आउ विकास)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कउनो पाँच प्रश्न के उत्तर दऽ । सब प्रश्न के अंक समान हे ।

1. मगही साहित्य के आधुनिक काल तय करित, एकर प्राचीन आउ आधुनिक स्वरूप में मौलिक अन्तर बताव ।
2. बहुत पुरान भाषा रहलो पर मगही के पुराना साहित्य बहुत कम मिलऽ हे । काहे ?
3. बीसवीं सदी में मगही नाटक के विस्तार आउ विकास के चरचा करऽ ।
4. मगही कहानी के विकास में पत्रिका आउ रेडियो के सहयोग के चर्चा करऽ ।
5. मगही में आलोचना की स्थिति पर तर्कसम्मत विचार करऽ ।
6. मगही गीत नाट्य की परम्परा आउ विशेषता के विस्तार से चर्चा करऽ ।
7. मुहावरा कै तरह के हो हे ? बानगी देइत हरेक भेद के चरचा करऽ ।
8. मगही लोकगीत में आधुनिकता के स्वरूप पर चरचा करऽ ।
9. मगही आन्दोलन के उद्देश्य आउ इतिहास बताव ।
10. मगही के विकास कइसे होइत । अपन विचार लिखऽ ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (मगही)

पार्ट-II, पत्र-XII

(मगही भाषा के उद्‌भव आउ विकास)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कउनो पाँच प्रश्न के उत्तर दऽ । सब प्रश्न के अंक समान हे ।

1. संसार के भाषा वर्गीकरण करके भारतीय आर्यभाषा का स्थान निरूपित करऽ ।
2. पालि प्राकृत के विशाल वाङ्‌मय के परिचय दऽ ।
3. अपभ्रंश साहित्य के काव्य वैशिष्ट्य पर सोदाहरण प्रकाश डालऽ ।
4. मागधी अपभ्रंश के उद्‌भव आउ विकास पर विस्तार से प्रकाश डालऽ ।
5. अत्याधुनिक हिन्दी रूप के विकास के आलोचना करऽ ।
6. अपभ्रंश के उद्‌भव, विकास आउ नामकरण पर प्रकाश डालऽ ।
7. "मगही के समस्या आउ समाधान" शीर्षक से एक बड़हन लेख लिखऽ ।
8. डॉ0 श्रीकान्त शास्त्री के भाषा–साहित्य के कार्य के विस्तार से वर्णन करऽ ।
9. टिप्पणी लेखन के परिचय देइत एकर प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डालऽ ।
10. टिप्पणी लिखऽ :–
    (क) डॉ० सम्पत आर्याणी
    (ख) कृष्णदेव प्रसाद

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (मगही)

पार्ट-II, पत्र-XIII

(भाषा विज्ञान : सिद्धांत)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कउनो पाँच प्रश्न के उत्तर दऽ । सब प्रश्न के अंक समान हे ।

1. भारतीय आर्यभाषा के इतिहास पर संक्षिप्त प्रकाश डालऽ।
2. संसार के भाषा के वर्गीकरण पर अपन विचार व्यक्त करऽ।
3. ध्वनि परिवर्तन के दिशा पर अपन विचार व्यक्त करऽ।
4. सम्बंध तत्त्व आउ अर्थतत्व के सम्बन्ध पर अपन विचार दऽ।
5. अर्थ बोधक के बाधक कारण पर प्रकाश डालऽ।
6. अर्थ परिवर्तन के दिशा (प्रकार, स्वरूप) पर अपन विचार व्यक्त करऽ।
7. वाक्य के आवश्यक तत्त्व पर प्रकाश डालऽ।
8. व्युत्पत्ति विज्ञान के संक्षिप्त परिचय दऽ।
9. मगही के निम्नलिखित शब्दन के व्युत्पत्ति लिखऽ :
   किसान, गोरू, भात, पोथी ।
10. भाषा विज्ञान के अन्य वाङ्मय से सम्बन्ध निरूपित करऽ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (मगही)

पार्ट-II, पत्र-XIV

(काव्य शास्त्र)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कउनो पाँच प्रश्न के उत्तर दऽ । सब प्रश्न के अंक समान हे ।

1. हिन्दी आचार्य के काव्य परिभाषा के समीक्षा करऽ ।
2. संस्कृत काव्यशास्त्र में प्रतिपादित काव्य प्रयोजन पर विचार करऽ ।
3. शब्द शक्ति के सामान्य परिचय दऽ ।
4. अलंकार सम्प्रदाय के प्रतिपादक, मान्यता आउ विकास के समीक्षा करऽ ।
5. रसाङ्ग के विवेचन करऽ ।
6. साधारणीकरण केकर हो हे ? स्पष्ट करऽ ।
7. काव्य के विभिन्न रीति के परिचय दऽ ।
8. वक्रोक्ति के स्वरूप–आउ भेद पर प्रकाश डालऽ ।
9. क्रोचे के अभिव्यंजनावाद के मूल्यांकन करऽ ।
10. रिचर्डस के मूल्य सिद्धान्त के परिचय दऽ ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (मगही)

पार्ट-II, पत्र-XV

(समालोचना)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कउनो पाँच प्रश्न के उत्तर दऽ । सब प्रश्न के अंक समान हे ।

1. आलोचना के उद्‌देश्य पर विचार करऽ ।
2. आलोचना पद्धति के केतना भेद होवऽ हे? समझा के लिखल जाय ।
3. मगही आलोचना के विकास में पत्र–पत्रिका के योगदान के विस्तार से चर्चा करऽ ।
4. मार्क्सवादी समीक्षा पद्धति पर एगो विस्तृत निबन्ध लिखऽ ।
5. मगही साहित्य में कुमारी राधा रहस्यवाद पर बढ़िया कलम चलैलन हे । चर्चा करऽ ।
6. मगही काव्य में आदर्शवाद पर एगो लमहर निबन्ध लिखऽ ।
7. समीक्षा की दृष्टि से यथार्थवाद पर अपन विचार दऽ ।
8. मानव–मूल्य आउ जीवन–दर्शन में अस्तित्ववाद के स्थान निरूपित करऽ ।
9. हिन्दी–मगही आलोचना में प्रो० केसरी कुमार के स्थान का हल ?
10. साहित्यिक आन्दोलन के क्षेत्र में डॉ0 सत्येन्द्र कुमार सिंह के देन पर प्रकाश डाल ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (मगही)

पार्ट-II, पत्र-XVI

(लोक साहित्य)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कउनो पाँच प्रश्न के उत्तर दऽ । सब प्रश्न के अंक समान हे ।

1. संस्कार गीत के पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालऽ।
2. पारिवारिक संस्कार गीत के महत्त्व पर उदाहरण के साथ प्रकाश डालऽ।
3. बारहमासा के रूप में पूर्वी गीत के विशेषता बतलावऽ।
4. चैता के चैती रूप के वर्णन उदाहरण के साथ करऽ।
5. विरह भावना पर कजरी के विशेषता बतलावऽ।
6. कृष्ण के जीवन पर लिखल बारहमासा के भाव पर प्रकाश डालऽ।
7. मनोरंजक कथा के रूप आउ उद्देश्य पर प्रकाश डालऽ।
8. नीतिकथा आउ अर्थकथा के परिचय देइत कउनो एक सबसे सुन्दर कथा तोहर नजर में कउन आउर कइसे हे, चर्चा करऽ।
9. धर्मकथा के परिचर पर प्रकाश डाल के "सच्चा साधु" के समीक्षा करऽ।
10. "नाग के अंगूठी" कथा के अलौकिक चमत्कार के समीक्षा करऽ।

ꕥ ꕥ ꕥ